ISSN: 2393-8048
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor = 8.35, January-June 2026, Submitted in June 2026

महाराजा रणजीत सिंह : शेर-ए-पंजाब - एक ऐतिहासिक अध्ययन

Dr. Mahesh Chandra, Assistant Professor, Department of History, SKD University, Hanumangarh

सारांश

भारतीय इतिहास में महाराजा रणजीत सिंह का नाम एक महान शासक, कुशल सेनानायक एवं दूरदर्शी राजनीतिज्ञ के रूप में लिया जाता है। उन्हें "शेर-ए-पंजाब" के नाम से जाना जाता है। उन्होंने पंजाब क्षेत्र में एक शक्तिशाली सिख साम्राज्य की स्थापना की, जिसने उत्तर-पश्चिम भारत की राजनीतिक स्थिति को प्रभावित किया। उनकी प्रशासनिक नीतियाँ, धार्मिक सहिष्णुता, सैन्य संगठन तथा सांस्कृतिक संरक्षण भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में महाराजा रणजीत सिंह के जीवन, राजनीतिक उपलब्धियों, प्रशासनिक व्यवस्था, सैन्य सुधारों तथा भारतीय इतिहास में उनके योगदान का ऐतिहासिक अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना

19वीं शताब्दी के प्रारम्भिक वर्षों में भारत राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहा था। मुगल साम्राज्य का पतन हो चुका था और विभिन्न क्षेत्रीय शक्तियाँ उभर रही थीं। इसी काल में महाराजा रणजीत सिंह ने एक शक्तिशाली राज्य की स्थापना की। उन्होंने न केवल सिख समुदाय को एक राजनीतिक शक्ति के रूप में संगठित किया बल्कि पंजाब को विदेशी आक्रमणों से सुरक्षित रखा। महाराजा रणजीत सिंह भारतीय इतिहास के उन शासकों में से थे जिन्होंने अपने नेतृत्व, सैन्य कौशल और प्रशासनिक दक्षता के बल पर एक मजबूत राज्य का निर्माण किया। उन्हें "शेर-ए-पंजाब" (1801-1839) पंजाब के स्वर्ण युग के रूप में माना जाता है।

शोध के उद्देश्य

1. महाराजा रणजीत सिंह के जीवन और व्यक्तित्व का अध्ययन करना।
2. सिख साम्राज्य की स्थापना एवं विस्तार का विश्लेषण करना।
3. उनकी प्रशासनिक एवं सैन्य नीतियों का मूल्यांकन करना।
4. भारतीय इतिहास में उनके योगदान का अध्ययन करना।
5. उनके शासन की विशेष्ताओ तथा सीमाओ का विष्लेषण करना।

शोध पद्धति

यह अध्ययन द्वितीयक स्रोतों पर आधारित है। इसके लिए ऐतिहासिक पुस्तकों, शोध पत्रों, सरकारी प्रकाशनों तथा विद्वानों द्वारा लिखित ग्रंथों का उपयोग किया गया है।

महाराजा रणजीत सिंह का प्रारंभिक जीवन

महाराजा रणजीत सिंह का जन्म **13 नवम्बर, 1780** को **गुजरों**वाला **(वर्तमान पाकिस्तान)** में हुआ था। उनके पिता **महासिंह** सुक्करचकिया मिसल के प्रमुख थे। बचपन में चेचक के कारण उनकी एक आँख की दृष्टि चली गई, किंतु इसका उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। **1792** में पिता की मृत्यु के बाद कम आयु में ही

उन्होंने मिसल का नेतृत्व संभालना प्रारम्भ किया। शीघ्र ही उन्होंने साहस, नेतृत्व क्षमता तथा राजनीतिक समझ दिखाई देती थी।

पंजाब की राजनीतिक स्थिति

अठारहवीं शताब्दी के अंत में पंजाब अनेक सिख मिसलों में विभाजित था। अफगान आक्रमणों तथा मुगल शासन के पतन ने इस क्षेत्र को अस्थिर बना दिया था। विभिन्न मिसलें आपस में संघर्षरत थीं। ऐसी परिस्थितियों में पंजाब को एक शक्तिशाली नेतृत्व की आवश्यकता थी, जिसे रणजीत सिंह ने पूरा किया |

लाहौर पर अधिकार व राज्यस्थापना

1799 में रणजीत सिंह ने लाहौर पर अधिकार कर लिया। यह घटना उनके राजनीतिक जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ थी। **1801** में उन्होंने स्वयं को पंजाब का महाराजा घोषित किया और सिख साम्राज्य की औपचारिक स्थापना की। इस प्रकार पंजाब पहली बार एक संगठित राजनीतिक इकाई के रूप में उभरा।

सिख साम्राज्य का विस्तार

1802 में अमृतसर पर अधिकार प्राप्त कर उन्होंने धार्मिक एवं राजनीतिक दोनों दृष्टि से अपनी स्थिति मजबूत की। उन्होंने कोगड़ा विजय कर हिमालयी क्षेत्रों पर अपना प्रभाव बढ़ाया। **1818** में मुल्तान पर विजय प्राप्त कर साम्राज्य का विस्तार दक्षिण-पश्चिम दिशा में किया। **1819** में कश्मीर को अपने साम्राज्य में सम्मिलित किया। **1834** में पेशावर पर अधिकार स्थापित किया। इन विजयों ने पंजाब को उत्तर भारत की सबसे शक्तिशाली शक्ति बना दिया।

प्रशासनिक व्यवस्था

महाराजा रणजीत सिंह एक कुशल प्रशासक थे। उन्होंने साम्राज्य का संचालन केंद्रीकृत ढंग से किया। सभी महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लेते थे। उन्होंने राज्य को विभिन्न प्रांतों में विभाजित किया। भूमिकर राज्य की आय का मुख्य स्रोत था। न्याय प्रणाली को सरल व व्यावहारिक बनाया, जनता को त्वरित न्याय उपलब्ध कराया जाता था।

धार्मिक सहिष्णुता

महाराजा रणजीत सिंह धार्मिक सहिष्णुता के लिए प्रसिद्ध थे। उनके दरबार में हिन्दू, मुस्लिम और सिख सभी धर्मों के लोग उच्च पदों पर नियुक्त थे।

प्रमुख उदाहरण:

- फ़कीर अज़ीज़ुद्दीन (मुस्लिम)
- दीवान दीना नाथ (हिन्दू)

अनेक सिख सरदार, उन्होंने धर्म के प्रति कभी भेदभाव नहीं किया।

सैन्य संगठन व सुधार

उन्होंने यूरोपीय सैन्य विशेषज्ञों की सहायता से सेना का आधुनिकीकरण किया। उन्होंने तोपखाने को विशेष महत्व दिया। उन्होंने फ्रांसीसी एवं इटालियन अधिकारियों को नियुक्त

किया, जैसे - जीन बैप्टिस्ट वेंचुरा, जीन फ़्राँस्वा अलार्ड, कोर्ट अविताबिले आदि इन अधिकारियों ने सेना को आधुनिक प्रशिक्षण दिया।

कला व संस्कृति का संरक्षण

वे कला एवं संस्कृति के संरक्षक थे। उन्होंने अमृतसर स्थित हरमंदिर साहिब का स्वर्ण मण्डन करवाया। **सत्यापन कला** अनेक भवनों, किलों और धार्मिक स्थलों का निर्माण हुआ।

आर्थिक नीतियाँ

पंजाब की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित थी।

1. सिंचाई सुविधाओं का विकास।
2. व्यापार को प्रोत्साहन।
3. कर व्यवस्था में सुधार।
4. आंतरिक सुरक्षा की व्यवस्था।

अंग्रेजों के साथ संबंध

महाराजा रणजीत सिंह ने अंग्रेजों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखे। अमृतसर की संधि (1809) के अनुसार सतलुज नदी के पूर्वी क्षेत्रों में अंग्रेजों का प्रभुत्व स्वीकार किया गया, जबकि पश्चिमी पंजाब पर महाराजा का नियंत्रण बना रहा। इस नीति ने लंबे समय तक अंग्रेजों के हस्तक्षेप से पंजाब की रक्षा की।

भारतीय इतिहास में योगदान

- एक शक्तिशाली स्वतंत्र राज्य की स्थापना की।
- आधुनिक सेना के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए।
- धार्मिक सहिष्णुता एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा दिया।
- पंजाबी संस्कृति एवं सिख विरासत के संरक्षण में योगदान दिया।

निष्कर्ष

महाराजा रणजीत सिंह भारतीय इतिहास के महानतम शासकों में से एक थे। उन्होंने पंजाब को एकजुट कर एक शक्तिशाली साम्राज्य की स्थापना की तथा राजनीतिक स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित की। उनकी प्रशासनिक दक्षता, सैन्य सुधार, धार्मिक सहिष्णुता एवं सांस्कृतिक संरक्षण ने उन्हें "शेर-ए-पंजाब" की उपाधि दिलाई। उनका शासन भारतीय इतिहास में एक आदर्श शासन व्यवस्था के रूप में देखा जाता है। आज भी उनका जीवन, नेतृत्व, साहस और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा प्रदान करता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Khushwant Singh, *A History of the Sikhs*, Vol. I & Vol. II, Oxford University Press.
2. J. S. Grewal, *The Sikhs of the Punjab*, Cambridge University Press.
3. N. K. Sinha, *Ranjit Singh*.
4. Hari Ram Gupta, *History of the Sikhs*.
5. Marshall, Julie, *Maharaja Ranjit Singh: The Last to Lay Arms*.
6. Griffin, Lepel, *Ranjit Singh*.
7. Cunnigham, Joseph Davey, *A History of the Sikhs*.
8. Fauja Singh, *Military System of Maharaja Ranjit Singh*.
9. Bikramjit Hasrat: *Life and Times of Ranjit Singh*.
10. NCERT, *Modern India History*.